मालवा फर्स्ट
MALWA FIRST

स्वाभिमान ही हमारा अभिमान है

Periodicity- Weekly

PRGI Reg. No. MPHIN/2023/90883

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार
03 दिसम्बर 2025

वर्ष - 03, अंक - 31 - मूल्य 02 रूपए
पृष्ठ - 04

E-mail: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664866

Commodity: Gold 99,735 Silver 97,000 Crude Oil 5,963 Natural Gas 302.20 Aluminium 232.30 Copper 827.35

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन से अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का शुभारंभ किया

श्री कृष्णम वंदे जगत गुरुम् - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में श्री कृष्ण पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

उज्जैन (निप्र). मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सोमवार को 03 दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन उज्जैन के दशहरा मैदान से किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर सभी को गीता जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जगत के गुरु भगवान श्रीकृष्ण को हम सभी नमन करते हैं। कुरूक्षेत्र के युद्ध स्थल में मोह ग्रस्त अर्जुन को भगवान श्री कृष्ण द्वारा दिये गये उपदेश और उनके महत्व को समझने व आत्मसात करने के लिए आज गीता जयंती पर अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

उज्जैन नगरीय ने कई कारणों से हर काल, हर परिस्थिति और हर युग में अपने अस्तित्व को बनाकर रखा है। आज से लगभग 05 हजार वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने कंस का वध किया था, और उसके पश्चात उज्जैन के सांदीपनि आश्रम में आकर महर्षि सांदीपनि से विद्या प्राप्त की थी। सांदीपनि आश्रम में बिना किसी भेदभाव के सभी शिष्यों को एक समान विद्या अध्ययन करवाया जाता था। भगवान श्री कृष्ण ने जन्म से ही कई संकटों को पार करते हुए विकट परिस्थितियों में भी सहज रहकर संकटों से सामना करना हम सभी को सिखाया है।

कंस वध के पश्चात उन्होने अपने नाना उग्रसेन को राज्य हस्तांतरित किया और स्वयं उज्जैन में शिक्षा ग्रहण करने के लिए आये।

यहां से शिक्षा प्राप्त करने के पश्चात पूरे विश्व को उनके व्यक्तित्व ने प्रभावित किया। वर्तमान में विद्या अध्ययन कर रहे सभी विद्यार्थियों को इससे प्रेरणा लेना चाहिए कि जीवन में शिक्षा का महत्व सर्वाधिक होता है। नई शिक्षा नीति के तहत श्री भगवत गीता को कुछ राज्यों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है और कई राज्यों ने इसे अपनी शिक्षा प्रणाली का हिस्सा बनाने के लिए कदम उठाए हैं। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के गुरु महर्षि सांदीपनि ने उनके गुणों को पहचाना तथा अपना सम्पूर्ण ज्ञान उन्हें दिया। भगवान श्रीकृष्ण इसके पश्चात ही जगत गुरू बने। कर्मयोग का ज्ञान देते हुए उन्होंने सम्पूर्ण विश्व में धर्म की स्थापना की और जन तंत्र के सबसे बड़े नायक बनें।

कुरुक्षेत्र के युद्ध में श्रीकृष्ण की सेना को कौरवों की तरफ से युद्ध करना पड़ा था। युद्ध स्थल में विपरीत परिस्थितियों में भी डटकर संकट का सामना करने का संदेश हम सभी को श्रीकृष्ण ने दिया। श्रीकृष्ण ने सदैव हमें अन्याय के विरुद्ध लड़ना सिखाया है। भगवत गीता में जीवन का सार है। इससे बढ़कर कोई ग्रंथ नहीं है।

भगवत गीता हमें जीवन में कठिन समय में भी अपने कर्तव्य को निरंतर करते रहना सिखाती है। भगवत गीता में भगवान श्री कृष्ण के द्वारा दिये गये उपदेश हमारे जीवन का र्माग दर्शन करते हैं। कई समस्याओं का हल हमें भगवत गीता में मिल जाता है। भगवत गीता का पाठ हम सभी को नियमित रूप से करना चाहिए। भगवद् गीता हमें ईश्वर का स्मरण करते हुए अपने कर्मों को करते रखना सिखाती है। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कार्यक्रम स्थल पर पहुँच कर भगवान श्रीकृष्ण के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। सम्राट विक्रमादित्य शोध पीठ के निदेशक और वीर भारत न्यास के सचिव डॉ श्रीराम तिवारी ने मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथियों का सम्मान किया। इसके पश्चात भगवत गीता के 15 वें अध्याय पुरुषोत्तम योग का सस्वर पाठ किया गया।

उल्लेखनीय है कि तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव का आयोजन मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के वीर भारत न्यास, जनसंपर्क विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, जेल विभाग, श्री कृष्ण पाथेय न्यास एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 03 दिसंबर तक दशहरा मैदान में किया जाएगा।

समृद्ध मप्र के लिये पंचायत प्रतिनिधि गांवों को बनायें समृद्ध - उपमुख्यमंत्री देवड़ा

स्वदेशी अर्थव्यवस्था में गांव में ही मिलेंगे रोजगार के अवसर

नीमच (निप्र)। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि गांव की समृद्धि ही मध्यप्रदेश की समृद्धि है। मध्यप्रदेश में विकास की गति को तेज बढ़ाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों को मिलकर अपने गांव को समृद्ध बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों को सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। देवड़ा बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभाग्रह में 'आत्मनिर्भर पंचायत - समृद्ध मध्यप्रदेश' पर आयोजित राज्यस्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश में अब ऐसे अवसर बन रहे हैं, जिससे गांव आत्म-निर्भर की ओर बढ़ रहे हैं। स्वदेशी अर्थव्यवस्था के अंतर्गत अब गांव में ही रोजगार के अवसर मिलेंगे। स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा। महिलाओं और युवाओं की विकास प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी होगी। उन्होंने कहा कि पंचायत में वित्तीय पारदर्शिता की आवश्यकता है। इससे परस्पर विश्वास बढ़ता है और इसका लाभ विकास को आगे बढ़ाने में होता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायतें विकास की धुरी हैं। इसलिये उन्हें अपनी विकास योजनाएं बनाने की स्वतंत्रता दी गई है।

देवड़ा ने पंचायत प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि वे विकास के कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध प्रयास करें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकास की ऐसी योजनाएं बनाई गई हैं जो निचले स्तर तक विकास ला सकती है। उन्होंने कहा कि पंचायतों के पास वर्तमान में जितने अधिकार हैं उसका उपयोग कर पंचायतें विकास की गति में तेजी ला सकती हैं। देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2047 तक देश को आर्थिक रूप से विश्व का समृद्ध देश बनाने का संकल्प लिया है। मध्यप्रदेश इस संकल्प को साकार करने के लिए हर स्तर पर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधियों को वित्तीय प्रबंधन व्यवस्थाओं में और ज्यादा सुधार करने की आवश्यकता है। साथ ही महिला पंचायत प्रतिनिधियों और महिलाओं के स्व-सहायता समूहों को भी आगे आने की आवश्यकता है। कार्यशाला में त्रि-स्तरीय पंचायतों के प्रतिनिधि और पदाधिकारी उपस्थित थे।

बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट के जरिये शहर को स्वच्छता में फिर ऊंची उड़ान देने में जुट गई नपाध्यक्ष

नीमच (निप्र)। शहर ने स्वच्छता रैंकिंग में एक लंबी छलांग लगाई थी, स्वच्छता टीम अपने स्तर पर लगातार प्रयास कर रही है। हमे भी स्वच्छता अभियान में अपना अमूल्य योगदान करने की जरूरत है। किसी समय में हमारे देश की स्वच्छता को लेकर देश का मख़ौल विदेशियों द्वारा उड़ाया जाता था। लेकिन नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान के रूप में लिए गए संकल्प ने देश में लोगों के भीतर एक जागरूकता ला कर देश को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का अकल्पनीय कार्य किया। वहीं इसी दिशा में स्वच्छता के क्षेत्र में नीमच नगरपालिका भी अब पीछे नही है, गत वर्ष के स्वच्छता रैंकिंग में राष्ट्रीय स्तर व प्रदेश में बेहतर स्तर बना पाने में सफल हुए। इसी को और अच्छे परिणाम के लिए नगरपालिका अध्यक्ष स्वाति चोपड़ा अभी से जुट गई है। स्वच्छता रैंकिंग में अच्छे अंको के लिए 'बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट' के अंक भी जरूरी होते है, जिसमे पुराने और व्यर्थ की अनुपयोगी वस्तुओं का सदुपयोग कर शहर को स्वच्छता के साथ सुंदर बनाना होता है। उसी को मूर्तरूप देने में स्वाति चोपड़ा और उनकी टीम शहर को यूनिक बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट आर्टिकल्स बनाए और लगाए जा रहे है। नगरपालिका सीएमओ बंगले के गेट के सामने पुरानी चीजों से भारत का शानदार नक्शा लगवाया गया है, वहीं ट्रेंचिंग ग्राउंड को भी पुराने कबाड़ से सजाया गया है। पुराने ड्रम से बड़े सुंदर गमले बनाकर उनमें बड़े पौधे लगाए गए। अब नगरपालिका परिसर की बाउंड्री पर NMC (नीमच म्युनिसिपल कॉरपोरेशन) बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट से बनाया जा रहा है।

जिसे लाइटों से जगमग भी किया जाएगा। हालांकि नगरपालिका अध्यक्ष के प्रयास तो एक ओर प्रसंशनीय है लेकिन सुंदरता के साथ लगातार स्वच्छता में भी और फोकस भी करना पड़ेगा। तभी जाकर परिणाम भी और अच्छे आ सकते है।

नीमच में श्री राणी सती दादी धाम का तृतीय वार्षिकोत्सव भक्तिमय माहौल

नीमच (नप्र)। शहर के उपनगर बघाना स्थित प्रसिद्ध श्री रानी सती दादी धाम मंदिर का तृतीय वार्षिकोत्सव रविवार को बड़ी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। सुबह से ही दादीजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। बालाजी धाम मंदिर परिसर के समीप स्थित इस धाम में दिन की शुरुआत विशेष धार्मिक अनुष्ठानों से हुई, जिसमें वैदिक पूजन-अभिषेक, आकर्षक श्रृंगार और ध्वजारोहण प्रमुख रहे।

वार्षिकोत्सव को भव्य स्वरूप देने के लिए दिल्ली और कलकत्ता से आए कारीगरों द्वारा मंदिर परिसर और दिव्य दरबार को सुंदर फूलों, लाइटिंग और पारंपरिक साज-सज्जा से सजाया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। पूरे वातावरण में "दादीजी की जय" के जयकारे गूंजते रहे।

धानुका परिवार ने परंपरा के अनुसार विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर ध्वजारोहण किया। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि भक्तों की सुविधा के लिए सभी तैयारियां पूर्व में ही पूरी कर ली गई है। शाम को भव्य भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती रही और भक्तों ने दादी रानी सती से सुख-समृद्धि की कामना की। वार्षिकोत्सव के दौरान भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था और मंदिर परिसर देर रात तक भक्तिमय माहौल से सराबोर रहा।

कलेक्टर हिमांशु चंद्रा का बेहतरीन मैनेजमेंट... निर्वाचन टीम की मेहनत.. और जिले में हो गए 100% 'SIR' इम्युरेशन फॉर्म डिजिटाइज्ड

✍ **ऐश्वर्य शर्मा (पवन)**

नीमच। मुख्य निर्वाचन आयोग का एक निर्णय... बिहार के बाद देश के 12 राज्यों में स्पेशल इंटेटिव रिवीजन 'SIR' प्रक्रिया करने का निर्देश... 12 राज्यों में मध्यप्रदेश भी शामिल... फिर क्या था, सारे लोग तनाव में कैसे होगा...? क्या होगा...? कितनी दिक्कते आएगी...? कैसे करेंगे...? लेकिन नीमच जिले में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के बेहतरीन मैनेजमेंट और एडीएम, तीनों एसडीएम, बीएलओ, सहायक, ईआरओ, एईआरओ, और पूरे निर्वाचन की टीम के सभी सदस्यों की मेहनत, मतदाताओं के सकारात्मक सहयोग ने जिले को प्रदेश में शत प्रतिशत इम्युरेशन फॉर्म डिजिटाइज्ड करने वाले जिलों नीमच का नाम शुमार कर कीर्तिमान रच दिया। जिले की तीनों विधानसभा में कुल 6 लाख 19 हजार 141 मतदाता है जिनके 4 दिसम्बर तक फॉर्म भरे जाने थे, और उनका डिजिटाइजेशन होना था, लेकिन कलेक्टर चंद्रा कुशल कार्यक्षमता और संयुक्त प्रयासों ने 29 नवंबर तक ही तीनो विधानसभा के 100% मतदाताओं यानि कि सारे मतदाताओं के फार्म डिजिटाइज्ड कर दिया। एक तरफ जहां बीएलओ और उनके सहायक घर घर, गली गली जा कर मतदाताओं को फॉर्म देने से लेकर उनके फॉर्म भरने में दिन रात एक कर रहे थे वहीं कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ दिन में दो-दो, तीन -तीन मीटिंगे कर रहे थे, समय समय पर खुद निरीक्षण करने केंद्रों पर जा रहे थे, पल पल का अपडेट लेकर कार्य को गतिमान बनाए रख रहे थे। और 29 नवंबर तक 100% फार्म डिजिटाइज्ड करने में मप्र में नीमच, बैतूल और अशोक नगर जिले शामिल है। सुनियोजित कुशल प्लानिंग के तहत यह SIR का एक बड़ा पड़ाव पार कर लिया। वहीं नीमच कलेक्टर जिले के सारे बीएलओ, उनके सहायकों, ईआरओ, एईआरओ, और समस्त जागरूक मतदाताओं को इसका श्रेय दे रहे है।

सड़क हादसे में पति के बाद पत्नी की मौत, फोफलिया-हरवार के बीच कार ने दंपती को मारी थी टक्कर, दो बच्चे हुए अनाथ

नीमच। जीरन थाना क्षेत्र अंतर्गत फोफलिया और हरवार के बीच हुए सड़क हादसे में पति कारूलाल सेन की मौत के बाद अब मंगलवार को उनकी पत्नी रेखाबाई सेन ने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। इस घटना के बाद उनके दो छोटे बच्चे अनाथ हो गए हैं। दरअसल, एक कार चालक ने बाइक सवार कारूलाल सेन और उनकी पत्नी रेखाबाई सेन को टक्कर मार दी थी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों 30 से 35 फीट तक घसीटते चले गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद कारूलाल सेन की मौत हो गई थी।

इलाज के दौरान हुई पत्नी की मौत – रेखाबाई सेन को गंभीर हालत में अहमदाबाद रेफर किया गया था, जहां उनका लंबा इलाज चला। हालांकि, उपचार के बाद वे घर पर थीं, लेकिन मंगलवार सुबह उन्होंने दम तोड़ दिया। परिजन उन्हें नीमच जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां शव का पोस्टमॉर्टम करवाने के बाद मंगलवार दोपहर में परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। परिजन कलेक्टर कार्यालय में मृतक का केशव को लेकर पहुंचे और आर्थिक सहायता की मांग की है। एसडीएम संजीव साहू ने परिजनों को समझाइश देकर मौके से रवाना किया है।

सरकार से बच्चों को आर्थिक सहायता देने की मांग – पीड़ित परिवार ने मांग की है कि मृतक कारूलाल सेन और रेखाबाई सेन के दो छोटे बच्चे हैं, जिनके पालन-पोषण के लिए अब कोई नहीं है। उनके भविष्य को देखते हुए सरकार द्वारा आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

दरअसल, कारूलाल सेन की मौत के बाद जीरन पुलिस पर निष्क्रियता के आरोप लगाते हुए परिजनों ने बीते दिनों रेवली देवली में चक्का जाम किया था। यह चक्का जाम करीब ढाई घंटे चला था, जिसके बाद पुलिस ने टक्कर मारने वाले कार चालक बलराम पिता राजेश पाटीदार निवासी पानमोडी, थाना रटाजना को गिरफ्तार किया था। आरोपी चित्तौड़गढ़ जिले में वन विभाग में पदस्थ बताया जा रहा है।

जन क्रांति न्याय यात्रा के लिए नीमच में करणी सेना परिवार के जीवन सिंह शेरपुर पहुंचे नीमच, जगह जगह हुआ भव्य स्वागत

नीमच। सर्व समाज की 21 सूत्रीय मांगों को लेकर 21 दिसंबर को हरदा में प्रस्तावित जन क्रांति न्याय यात्रा के लिए करणी सेना परिवार सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में करणी सेना परिवार के मुखिया ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर शनिवार को नीमच पहुंचे, जहां महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण से आमंत्रण यात्रा की शुरुआत हुई। इसके बाद भव्य वाहन रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में करणी सेना के पदाधिकारी व सर्व समाज के लोग शामिल हुए।

यात्रा के दौरान शहर के प्रमुख चौराहों पर जीवन सिंह शेरपुरा का पुष्पमालाओं से स्वागत किया गया। महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर आमंत्रण संदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि किसानों को स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के आधार पर उचित मूल्य, विद्यार्थियों के लिए भर्ती आयोग और सर्व समाज के हितों से जुड़ी 21 मांगों को लेकर यह आंदोलन किया जा रहा है। रैली के टाउन हॉल पहुंचने पर विचार सभा आयोजित की जाएगी। हरदा में 21 दिसंबर को होने वाले ऐतिहासिक शक्ति प्रदर्शन के लिए करणी सेना व सर्व समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल होने का आह्वान किया गया है।

करणी सेवा परिवार के मुखिया ठाकुर जीवन सिंह शेरपुर ने बताया कि 21 दिसंबर को हरदा में होने वाली जन क्रांति न्याय यात्रा को लेकर हम हर जिले में जा रहे हैं सभी को निमंत्रण दे रहे हैं और आह्वाहन कर रहे हैं। यहां सारे महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया है और जिस तरह से उन्होंने न्याय के लिए लड़ाई लड़ी है इस तरह से हम भी न्याय के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं। 21 दिसंबर को इस यात्रा का समापन होगा और 21 सूत्री मांगों को लेकर हम लोग यह यात्रा निकाल रहे हैं जिसमें स्वामीनाथन कमेटी आधार पर किसानों के फसलों के भाव तय हो, जो भी बेटियां हैं उनके अधिकार उनके माता-पिता को दिया जाए, जितनी भी लव मैरिज हो कोर्ट मैरिज हो उसमें माता-पिता की सहमति अनिवार्य किया जाए, भर्ती आयोग का गठन किया जाए। इसके अलावा आर्थिक आधार पर आरक्षण और एट्रोसिटी एक्ट में परिवर्तन हो। एट्रोसिटी एक्ट में और आरक्षण में हम किसी के विरोधी नहीं है, हम चाहते हैं जो गरीब सबका है उसको आरक्षण मिले।

Email: nmh.pawan@gmail.com
Contact: 9407423966, 8770664886

नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन से आर्थिक विकास को दी जा सकती है गति

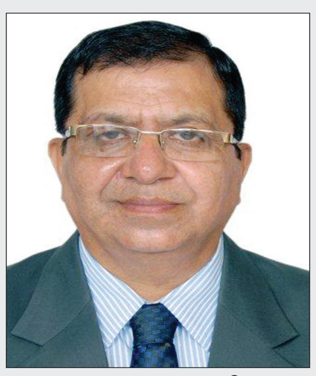

प्रहलाद सबनानी

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते है तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों पर करों का बोझ कम करने का ईमानदार प्रयास किया है। सबसे पहिले आयकर की सीमा को 12 लाख रुपए प्रति वर्ष कर दिया गया (जिसका मतलब है कि 12 लाख रुपए तक की वार्षिक आय वाले नागरिकों को अब आयकर नहीं देना होगा), इसके बाद वस्तु एवं सेवा कर की दरों का युक्तिकरण करते हुए पूर्व में लागू चार दरों (5 प्रतिशत, 12 प्रतिशत, 18 प्रतिशत एवं 28 प्रतिशत) को केवल दो दरों (5 प्रतिशत एवं 18 प्रतिशत) में परिवर्तित कर दिया गया। इससे भारत में 90 प्रतिशत से अधिक उत्पाद एवं सेवाओं पर करों की दर में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष करों की दरों में की गई उक्त कमी के चलते नागरिकों के हाथो में खर्च करने हेतु अधिक राशि की बचत हुई है और इसका प्रभाव इस वर्ष दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के शुभ अवसर पर उपभोक्ता वस्तुओं एवं सेवाओं की बिक्री में हुई भारी भरकम वृद्धि के रूप में देखने को मिला है। वर्ष 2025 के दीपावली एवं अन्य त्यौहारों के समय 5.40 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि के उत्पाद एवं 65,000 करोड़ रुपए की राशि की सेवाओं की बिक्री हुई है, जो अपने आप में एक रिकार्ड है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी ब्याज दरों में कटौती की है। वर्ष 2025 में रेपो दर को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 5.50 प्रतिशत तक नीचे लाया गया है, इससे भारत में नागरिकों एवं उद्योग जगत को सस्ती दरों पर ऋण की सुविधा उपलब्ध हो रही है। दिसम्बर 2025 में भी रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी किये जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इससे ऋणों पर ब्याज दर में और अधिक कमी हो सकती है। साथ ही, अब तो केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों द्वारा भी किसानों, बुजुर्गों एवं महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ही सहायता राशि जमा की जा रही है, जिससे भारतीय नागरिकों के हाथों में अधिक मुद्रा उपलब्ध हो रही है और वे अधिक मात्रा में बाजार से उत्पादों को खरीदने में सक्षम हो रहे हैं। भारत में, हाल ही के समय में, आम जनता की क्रय शक्ति इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि मुद्रा स्फीति की दर पर भी नियंत्रण स्थापित किया जा सका है और खुदरा महंगाई की दर 2 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है, जो 10/12 वर्ष पूर्व तक 10 प्रतिशत के आसपास रहती थी। कुल मिलाकर, अब यह कहा जा सकता है कि भारत 10 प्रतिशत वार्षिक विकास दर को हासिल करने की ओर तेजी से अपने कदम बढ़ा रहा है।

केंद्र सरकार द्वारा 65 करोड़ नागरिकों को मुफ्त अनाज भी उपलब्ध कराया जा रहा है जिससे भारत में अति गरीब नागरिकों की संख्या तेजी से कम हो रही है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले करोड़ों नागरिकों को गरीबी की रेखा से ऊपर लाया जा सका है। भारत में लगातार कम हो रही अति गरीब नागरिकों की संख्या की प्रशंसा वैश्विक वित्तीय संस्थानों, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष आदि, द्वारा भी समय समय पर की गई है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारतीय नागरिकों को करों में उक्त वर्णित रियायतें देनें एवं गरीब वर्ग को मुफ्त अन्न उपलब्ध कराने एवं उनके खातों में सीधे सहायता राशि जमा कराने जैसी योजनाओं को चलाने के बावजूद केंद्र सरकार के बजटीय घाटे को लगातार कम करने में सफलता मिल रही है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के खंडकाल में लगभग 10 प्रतिशत तक पहुंच गया था जो प्रतिवर्ष लगातार कम होते होते वर्ष 2026 में 4.4 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आने का अनुमान लगाया गया है। यह सम्भव हो सका है क्योंकि भारत के नागरिकों द्वारा अपने नागरिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर की राशि को ईमानदारी से सरकार के खजाने में जमा कराया जा रहा है। भारत में हाल ही के वर्षों में कर अनुपालन में काफी सुधार दिखाई दिया है।

यह सही है कि किसी भी देश में आर्थिक विकास की दर को तेज करने में, उस देश में, इस संदर्भ लागू की जाने वाली आर्थिक नीतियों का प्रभाव पड़ता है परंतु यदि उस देश में समाज भी सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का प्रयास करे तो आर्थिक विकास की गति को और अधिक तेज किया जा सकता है। अर्थात, समाज को अपने नागरिक कर्तव्यों पर आज और अधिक विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ के स्वयंसेवकों द्वारा पंच परिवर्तन नामक कार्यक्रम को समाज के बीच ले जाने का प्रयास बड़े उत्साह से किया जा रहा है। पंच परिवर्तन कार्यक्रम में 5 बिंदु शामिल हैं - नागरिक कर्तव्य, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण, समरसता एवं स्व के भाव का जागरण (इसमें स्वदेशी अर्थात देश में निर्मित उत्पादों का उपयोग भी शामिल है)। इन 5 आयामों के माध्यम से समाज परिवर्तन के कार्य को गति देने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें भारतीय नागरिकों को अपने नागरिक कर्तव्यों के अनुपालन पर भी विशेष ध्यान दिलाने का प्रयास किया जा रहा है। देश के कानूनों का पालन करना और उनका सम्मान करना नागरिकों की जिम्मेदारी है। इस कर्तव्य को पूरा करने से समुदाय में अनुशासन और सुरक्षा की भावना पैदा होती है। दैनिक जीवन के छोटे छोटे नियमों का पालन करने से सामाजिक अनुशासन का विकास होता है। जैसे, यातायात नियमों का पालन करना। जहां आवश्यक हो वहां वाहन कतार में लगाना। नागरिक कर्तव्य के अंतर्गत नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे विभिन्न करों का भुगतान समय पर करें एवं सही राशि का भुगतान करें। यह देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। यदि समस्त नागरिक अपने इस कर्तव्य का पालन करते हैं तो भारत में करों की दरों को निश्चित ही और अधिक नीचे लाया जा सकता है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय सम्पत्ति की सुरक्षा एवं रखरखाव करना भी नागरिकों का परम कर्तव्य है, जैसे सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता बनाए रखना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना। कभी कभी आम जनता को गुमराह कर आंदोलन हिंसक रूप लेते नजर आते हैं एवं परिणामस्वरूप देश में आगजनी, लूटपाट और राष्ट्रीय सम्पदा की हानि देखने को मिलती है। इस सम्बंध में समाज में जागरूकता पैदा किए जाने की आज सख्त आवश्यकता है। वैसे भी लोकतंत्र की सफलता और स्थिरता नागरिकों की भागीदारी और कर्तव्यों के प्रति सजगता पर निर्भर करती हैं। जब नागरिक अपने कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील होते हैं और उनका ईमानदारी से पालन करते हैं तो समाज में सकारात्मक बदलाव आते हैं और देश के आर्थिक विकास की गति तेज होती है। समाज की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि के लिए नागरिकों की अपने कर्तव्यों प्रति संवेदनशीलता तथा कटिबद्धता आवश्यक है। देशभक्ति न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और निष्ठा है, बल्कि अपने देश के उत्थान और सुरक्षा में योगदान भी है। एक देशभक्त नागरिक अपने नागरिक कर्तव्यों के प्रति सदैव संवेदनशील एवं जागरूक रहता है। नागरिक एवं सामाजिक अनुशासन का पालन करना ही स्वतंत्र देश में प्रतिदिन प्रकट होने वाली देशभक्ति है।

नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों में मुख्य रूप से शामिल है, (1) संविधान का पालन करना एवं उसके आदर्शों और संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) जिसने हमारे राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम को जन्म दिया प्रेरित होने पर उन ऊंचे आदर्शों को विकसित करना और उनका पालन करना। (3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता उनका रख-रखाव एवं संरक्षण करना। (4) देश की रक्षा करना और आह्वान किए जाने पर राष्ट्रीय सेवा करना। (5) धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या वर्ग मतभेदों को पार करना, भारत के लोगों के बीच एकता और भाईचारे को बढ़ावा देना, महिलाओं की गरिमा को कम करने वाली प्रथाओं को त्यागना। (6) हमारी विविधतापूर्ण सांस्कृतिक विरासत की सराहना करना और इसे बचाना। (7) वनों, झीलों, नदियों, वन्य जीवों और प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति दया दिखाना। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानवतावाद, जिज्ञासा और सुधरवाद का विकास करना। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना एवं हिंसा का कठोर त्याग करना। (10) देश में ही निर्मित वस्तुओं का उपयोग करना एवं सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करना।

भारत के समस्त नागरिक यदि उक्त मौलिक कर्तव्यों का अनुपालन करते हैं तो भारत की आर्थिक विकास दर को 10 प्रतिशत प्रतिवर्ष के ऊपर ले जाने में किसी प्रकार की अन्य कठिनाई आने वाली नहीं है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारें अपनी ओर से देश के लिए हितकारी आर्थिक नीतियां बनाने की पूरी कोशिश कर रही हैं परंतु भारतीय नागरिक होने के नाते हमें भी अपने नागरिक कर्तव्यों का अनुपालन सुनिश्चित करना होगा तभी हम सब मिलकर मां भारती को एक बार पुनः विश्व गुरु के रूप में आरूढ़ कर पाएंगे।

संपादकीय

'इंडिया' अस्तित्व में या नहीं?

बिहार में करारी पराजय के बाद विपक्ष एक बार फिर विभाजित होता लग रहा है। ह्यइंडियाह्ल ब्लॉक अथवा महागठबंधन कभी अस्तित्व में थे अथवा नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं है, क्योंकि उनके घटक दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ते रहे हैं। बिहार इसका ताजातरीन उदाहरण है। अब दो विरोधाभासी बयान सामने आए हैं। एक तो ह्यइंडियाह्ल गठबंधन को लेकर है कि अब उसकी कोई जरूरत नहीं है, लिहाजा कांग्रेस ने राजद और सपा से अलग होने की घोषणा की है। जिन सूत्रों से यह खबर सार्वजनिक हुई, उनका दावा है कि यह खुद गांधी परिवार का निर्णय है। लेकिन कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस निर्णय का खंडन किया है। अलबत्ता यह घोषणा जरूर की गई है कि पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में कांग्रेस 'एकला' ही लड़ेगी। केरल में न तो 'इंडिया' था और न ही गठबंधन संभव है, क्योंकि वहां कांग्रेस प्रमुख विपक्षी दल है और 10 साल से सत्ता के बाहर है। वाममोर्चा सरकार में है। तमिलनाडु में भी चुनाव 2026 के अप्रैल-मई में होने हैं। अभी तक द्रमुक सरकार के सहारे कांग्रेस सत्ता में भागीदार है। नए समीकरणों की फिलहाल कोई घोषणा नहीं है। कांग्रेस बीते 58 साल से तमिलनाडु में अपना मुख्यमंत्री निर्वाचित नहीं करा पाई है। बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस आधी-अधूरी ही 'इंडिया' गठबंधन में है। वह इस गठबंधन के घटक होने का दावा तो करती रही है, लेकिन कांग्रेस सरीखे प्रमुख घटक दल के साथ गठबंधन नहीं करती। दोनों संसदीय और विधानसभा चुनाव अलग-अलग लड़ते हैं। इस बार भी गठबंधन के कोई आसार नहीं हैं, क्योंकि अब कांग्रेस 'एकला' ही अपनी राजनीतिक लड़ाई लड? के मूड में है या उसकी राजनीतिक बाध्यता है। सवाल है कि जब ऐसी स्थिति है, तो बिहार की पराजय के बाद ममता बनर्जी के चंपुओं ने यह शोर मचाना क्यों शुरू किया कि ममता को 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व सौंपना चाहिए। एक और आवाज उप्र से गूंजने लगी है कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को 'इंडिया' ब्लॉक का प्रमुख चुनना चाहिए। उप्र में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। लोकसभा में भाजपा के 240 और कांग्रेस के 99 सांसदों के बाद सपा 37 सांसदों वाली तीसरी बड़ी पार्टी है। उप्र में 1989 और बंगाल में 1977 के बाद कांग्रेस सत्ता में नहीं है, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन का आकलन किया जाए, तो कांग्रेस के बिना विपक्षी गठबंधन के अस्तित्व की कल्पना ही नहीं की जा सकती। कांग्रेस बनाम सपा, तृणमूल, द्रमुक के दरमियान, निर्वाचित जन-प्रतिनिधियों के आधार पर, फासले बेहद व्यापक हैं। यदि 'इंडिया' के अस्तित्व को बरकरार रखना है, तो कांग्रेस के नेतृत्व को नकारना असंभव है। फिर वह नेतृत्व मल्लिकार्जुन खडगे का हो अथवा राहुल गांधी का हो! दरअसल कांग्रेस ही 'इंडिया' गठबंधन की बुनियाद है। उसकी अपनी तीन राज्य सरकारें हैं और 650 से अधिक विधायक हैं।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानों
एक महात्मा से किसी ने पूछा- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।
तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?
अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इन्द्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्री नहीं बतलाती। सब इन्द्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।

एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, रंगे हाथों पकड़ाए तीन लोग, नारकोटिक्स टीम ने धर दबोचा

नीमच (निप्र)। नीमच-रामपुराजिले के रामपुरा क्षेत्र में एक गांव में खेत पर बने कमरे में एमडी बनाने की अवैध फैक्टरी संचालित हो रही थी। इस पर एमपी पुलिस की नारकोटिक्स विंग इंदौर और मंदसौर के साथ नीमच पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की है। कार्रवाई के दौरान तैयार एमडी, प्रोसेस के बाद सुखाने के लिए रखी गई एमडी सहित कई तरह के केमिकल और उपकरण जब्त किए गए हैं। मौके से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है और मामले में आगामी जांच व कार्रवाई की जा रही है।

एमडी ड्रग बनाने की अवैध फैक्टरी पकड़ी - यह कार्रवाई शुक्रवार को एमपी पुलिस की नारकोटिक्स विंग इंदौर की अगुवाई में विंग की मंदसौर यूनिट ने नीमच जिले के रामपुरा और कुकड़ेश्वर थाने की पुलिस को साथ लेकर की है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जिले के रामपुरा तहसील मुख्यालय से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम लसूड़िया ईस्तमुरार में यह कार्रवाई की गई है। नशे से दूरी, हैं जरूरी अभियान के तहत लगभग 35 सदस्यीय टीम ने ग्राम लसूड़िया ईस्तमुरार में अर्जुन पुत्र शंकरलाल बंजारा व भाई रमेश बंजारा के खेत पर बने कमरे पर दबिश दी तो अर्जुन और रमेश के साथ मौके पर खेड़ी दायमा का निरंजन बंजारा मिला। यह तीन आरोपित मिलकर खेत पर बने कमरे में केमिकल और उपकरणों की मदद से एमडी ड्रग बना रहे थे।

तीन गिरफ्तार, मामला दर्ज - इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए मौके से तैयार एमडी ड्रग, प्रोसेस के बाद सुखाने के लिए रखी एमडी ड्रग सहित केमिकल व उपकरण पकड़े हैं। टीम ने कार्रवाई के बाद तीनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर मामला जांच में लिया है। आरोपितों से एमडी ड्रग की अवैध फैक्टरी संचालित करने सहित सप्लाई चैनल की जानकारी जुटाने की कोशिश की जा रही है।

ये आरोपी गिरफ्तार - निरंजन पुत्र भीमा बंजारा आयु 32 वर्ष निवासी ग्राम खेड़ी दायामा थाना मनासा, अर्जुन पुत्र शंकरलाल बंजारा आयु 30 वर्ष निवासी लसूड़िया ईस्तमुरार थाना रामपुरा, रमेश पुत्र शंकरलाल बंजारा आयु 27 वर्ष निवासी लसूड़िया ईस्तमुरार थाना रामपुरा।

मौके से ये चीजें हुई जब्त - 2 किलो 850 ग्राम तैयार एमडी और 10 से 12 किलो एमडी बनाने का मिश्रण मिला है, जिसे मौके पर से जब्त किया गया है। कार्रवाई के दौरान कई तरह के केमिकल, हिटिंग उपकरण, मिक्सिंग टूल, बर्तन, कंटेनर और प्रोसेसिंग मशीनें भी मौके पर मिली है, जिसे कार्रवाई के दौरान टीम ने जब्त किया है।

एमडी की फैक्टरी और कारोबार को ध्वस्त करने की तैयारी - कार्रवाई में शामिल अधिकारियों की मानें तो अवैध फैक्टरी की स्थिति देखने से प्रारंभिक रूप से लगता है कि आरोपित इस अवैध कारोबार में लंबे समय से जुड़े हुए हैं। पकड़ी गई एमडी और सामान की कीमत भी करोड़ों में हैं। अब अवैध फैक्टरी, कारोबार और एमडी ड्रग के समूचे नेटवर्क को खंगालने की कोशिश की जा रही है। जांच में और भी कई चौंकाने वाले खुलासे की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

खाद्य सुरक्षा टीम ने जिले की 21 खाद्य फर्मों का आकस्मिक निरीक्षण किया, विभिन्न खाद्य पदार्थों के 43 नमूने लिए

नीमच 1 दिसम्बर (निप्र)। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं नियंत्रक भोपाल एवं कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जिले की खाद्य सुरक्षा टीम ने नवम्बर 2025 में नीमच जिले में 21 फर्मों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने विक्रय हेतु निर्मित एवं पेक खाद्य पदार्थ, विभिन्न पैकिंग खाद्य तेल, विभिन्न पैकिंग के घी, किशमिश, खजूर, बेसन, मैदा, रवा, गुड़ विभिन्न पैकिंग के नमकीन, टोस्ट, मसाले सहित कुल 43 नमूने खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत लिए गए है। खाद्य परिसर में कमियां पाए जाने पर उक्त अधिनियम के तहत संबंधितों को नोटिस जारी किए गए हैं। नमूनों को जांच के लिए राज्य खाद्य परीक्षण भोपाल भेजा गया है।

रिपोर्ट प्राप्त होने पर संबंधित के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारी राजू सोलंकी एवं यशवंत कुमार शर्मा टीम द्वारा की गई।

किसान पर फावड़े-सरिए से हमला, पैर में गंभीर चोट आई

नीमच 1 दिसम्बर (निप्र)। जिले के जावद थाना क्षेत्र के नई बावल गांव में नहर के पानी को खेत तक ले जाने के लिए नाली बनाने को लेकर चल रहे पुराने विवाद ने सोमवार शाम हिंसक रूप ले लिया। पांच हमलावरों ने किसान दिनेश लोहार पर फावड़े और सरिए से हमला कर दिया, जिससे उनके पैर में चोट आई। घायल दिनेश लोहार को सोमवार देर शाम जिला अस्पताल नीमच में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों उनका इलाज कर रहे है।

लंबे समय से था विवाद - जानकारी के अनुसार, घायल दिनेश लोहार का उनके कुछ पड़ोसियों के साथ मोरवन डैम से आने वाली नहर के पानी के लिए नाली बनाने को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। सोमवार को जब दिनेश अपने खेत पर पानी लाने के लिए नाली बना रहे थे, तभी यह विवाद बढ़ गया।

फावड़े और सरिए से हमला किया - दिनेश लोहार ने जिला अस्पताल में बताया कि अक्षय माली, शंभू माली, राधेश्याम माली और मनीष तेली ने अपने एक अज्ञात साथी के साथ मिलकर उन्हें घेर लिया। इन सभी ने अचानक फावड़े और सरिए से उन पर हमला कर दिया। हमले में दिनेश के पैर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोट आई। हमले के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल दिनेश को तुरंत नीमच के जिला अस्पताल पहुंचाया गया।

महू-नीमच हाईवे पर हादसा, एक की मौत

पैदल राहगीरों ने मांगी थी ट्रैक्टर चालक से लिफ्ट और हो गई दुर्घटना

नीमच (निप्र)। महु नीमच हाईवे पर मालखेड़ा बायपास पर आज गुरुवार सुबह मालखेड़ा होटल के सामने तेज रफ्तार मटर की ट्रक ने गिट्टी से भरे टैक्टर को मारी टक्कर, एक व्यक्ती की मौत। जिसके पश्चात तत्काल मृतक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया गया इधर सूचना मिलने पर सिटी पुलिस मौके पर पहुंच चुकी थी। जिला कोटपुतली राजस्थान मृतक अतर सिंह जिला कोटपुतली राजस्थान और साथी विजेंदर दोनों नया गांव की और से दोनों पैदल आ रहे थे कि इस बीच रास्ते में चलते हुए टैक्टर से लिफ्ट मांगी और दोनों ट्रैक्टर पर सवार होकर भाटखेड़ा की और अपने ट्रक के पास जा रहे थे तभी पीछे से भारी वाहन ने पीछे से आकर टक्कर मार दी जिससे अतरसिंह की मौके पर ही मौत हो गई। जिसे एंबुलेंस द्वारा नीमच जिला चिकित्सालय से शव का पोस्ट मार्टम कर परिजनों को सोपा जाएगा। सिटी थाना पुलिस ने मामला जांच में लिया है

स्विफ्ट कार से 60 किलो डोडाचूरा बरामद, आरोपी फरार, चीताखेड़ा पुलिस ने नही किया खुलासा

नीमच (निप्र)। जीरन थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले चीताखेड़ा चौकी पुलिस ने बिते दिन वाहन चैकिंग के अंतराल एक संदिग्ध स्विफ्ट कार को रोकने की कोशिश की लेकिन आरोपी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया, उक्त वाहन में करीब 60 किलो डोडाचूरा बरामद हुआ, लेकिन अब तक उक्त घटना का संबंधित पुलिस ने कोई खुलासा नही किया।

सूत्र बताते है कि चीताखेड़ा चौकी क्षेत्र में बिते 3 दिनो में दो एनडीपीएस से जुडी दो कार्रवाईयों को अंजाम दिया गया है। जिसमें बताया जा रहा है कि पहली कार्रवाई में एक वाहन से करीब 3 क्विंटल डोडा चूरा जब्त किया गया, जबकि दूसरी कार्रवाई में एक स्विफ्ट कार से लगभग 60 किलो डोडा चूरा पकड़ा गया।

सूत्र बताते हैं कि दोनों ही मामलों में वाहन चालक और अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए। हालांकि पुलिस ने जब्त मादक पदार्थ और वाहनों को कब्जे में लेकर प्रकरण दर्ज कर लिया है, लेकिन कार्रवाई के बाद अब तक पुलिस की ओर से किसी आरोपी की पहचान, नेटवर्क या गिरफ्तारी को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

सूत्रों का यह भी कहना है कि लगातार दो बड़ी बरामदगी के बावजूद पुलिस द्वारा खुलासा न करना कई तरह की चर्चाओं को जन्म दे रहा है। क्षेत्र में यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में मादक पदार्थ मिलने के बाद भी आरोपी कैसे हर बार बार फरार हो जाते हैं? वहीं चीताखेड़ा चौकी की कार्यप्रणाली को लेकर भी संदेह जताया जा रहा है।सूत्र यह भी दावा करते हैं कि यदि पुलिस सक्रियता दिखाए और समय पर खुलासा करे, तो क्षेत्र में सक्रिय तस्करी नेटवर्क पर प्रभावी कार्रवाई संभव है। लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में पुलिस की चुप्पी और खुलासे में देरी लोगों के बीच सवाल पैदा कर रही है।

मंदसौर काला खेत हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर (निप्र)। काला खेत में गुरुवार रात्रि हुए हत्या कांड का आरोपी पुलिस ने कुछ ही घंटों में दबोच लिया है। आरोपी की पहचान जहुर हुसैन पिता लाल शाह, उम्र 46वर्ष, निवासी ग्राम पलसोड़ा, तहसील धरियावद, जिला प्रतापगढ़ (राज.) के रूप में हुई है।

जानकारी के जहुर हुसैन मंदसौर काला खेत में सो रहा था जिसे उठाने पर नाराज होकर उसने नुकीले पत्थर से हमला कर दिया। गंभीर चोटों के कारण मौके पर ही मुबारिक हुसैन की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही मंदसौर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी की और तकनीकी व मानवीय स्त्रोतों की मदद से कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। पुलिस आरोपी से हत्या के कारणों और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की गहन पूछताछ कर रही है।

महंगे सीरम को कहें अलविदा, घर पर बनाएं असरदार विटामिन सी सीरम, मिलेगी दमकती त्वचा

अगर आप भी रोजाना रात में स्किन केयर करना नहीं भूलती हैं और चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्रयास करती हैं। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि महिलाएं अपनी स्किन को हेल्दी और ग्लोइंग बनाने के लिए तरह-तरह के प्रोडक्ट्स फेस पर लगाती हैं। लेकिन आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसे विटामिन सी सीरम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल आप रोजाना रात में सोने से पहले कर सकती हैं।

अगर आप इस खास सीरम को लगाती हैं, तो इससे मार्केट के महंगे सीरम खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। साथ ही आप कम पैसों में इस सीरम को बनाकर तैयार कर सकती हैं। तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि घर पर रहकर विटामिन सी सीरम कैसे बनाया जा सकता है।

होममेड विटामिन सी सीरम

ब्यूटी एक्सपर्ट के मुताबिक अगर आप घर पर एक खास विटामिन सी सीरम तैयार करना चाहती हैं, तो आप कम पैसे में इसको बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका भी काफी आसान है और इसको बनाने के लिए कुछ खास सामग्री की जरूरत होगी।

सामग्री

गुलाब जल
विटामिन सी पाउडर
विटामिन ई कैप्सूल
एलोवेरा जेल
ग्लिसरीन

ऐसे बनाएं विटामिन सी सीरम

आप घर पर आसानी से यह खास सीरम बनाकर तैयार कर सकती हैं। इसको बनाने का तरीका बेहद आसान है। इसको बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में विटामिन सी पाउडर ले लें। अब इसमें गुलाब जल, एलोवेरा जेल और ग्लिसरीन को डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब इसमें विटामिन सी कैप्सूल की कुछ बूंदे डालकर इस सीरम को अच्छे से मिक्स कर लें। इस आसान तरीके से आपका होममेड सीरम बनकर तैयार हो गया है।

आप रोजाना रात में सोने से पहले इस सीरम को अपने फेस पर अप्लाई कर सकती हैं। आप 15 दिन तक इस सीरम का इस्तेमाल कर सकती हैं। आप चाहें तो रोजाना रात में इसका इस्तेमाल कर सकती हैं या फिर सप्ताह में 3-4 बार भी इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। आप जब भी इसको फेस पर अप्लाई करें, तो पहले साफ पानी से चेहरे को धो लें और फिर फेस के सूखने के बाद इस सीरम को फेस पर लगाएं। इसको आप फेस के साथ-साथ गर्दन पर भी लगा सकती हैं।

घर की सब्जी को दें शाही ट्विस्ट! बस काजू-बादाम, मूंगफली से बढ़ाएं ग्रेवी का जबरदस्त स्वाद

रेस्तरां स्टाइल में हम सभी टेस्टी सब्जी बनाना चाहते हैं, लेकिन कहीं न कहीं मिस्टेक जरूर हो जाती है। अपने खाने को टेस्टी बनाने के लिए छोटे-छोटे टिप्स एंड ट्रिक्स पर ध्यान देना काफी जरूरी है। घर में चाहे कितना भा टेस्टी खाना बना लें, लेकिन बच्चे फिर कमी निकाल देते हैं। ऐसे में हर महिलाओं को इन टिप्स का जरूर पता होना चाहिए। अगर आप मेवों की मदद से सब्जी में इस्तेमाल करके लाजवाब खाना बना सकते हैं। मेवे सब्जियों के स्वाद को दोगुना कर देते हैं। यह सब्जी में स्वाद तो बढ़ा ही देते हैं और यह काफी हेल्दी भी होती है। आइए आपको बताते हैं मेवे से सब्जी की क्रीम को गाढ़ा और क्रीमी से बनाएं।

मेवे से सब्जी को गाढ़ा और क्रीमी कैसे बनाएं

- इसके लिए आफ काजू या बादाम को गर्म पानी में 30 मिनट के लिए भिगोकर रख दें। अब इसे पानी से निकालकर थोड़ा दूध या पानी डालकर एक चिकना पेस्ट बना लें। फिर आप इसे सब्जी की ग्रेवी में डालें। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी, क्रीमी और स्वादिष्ट बनेंगी। इसका यूज आप शाही पनीर, कोफ्ता और मलाई कोफ्ता जैसी सब्जियों में कर सकते हैं। आप बादाम, काजू या मूंगफली को हल्का भूनकर छोटे टुकड़ों में काट लीजिए। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से इन टुकड़ों को डालें। सब्जी तैयार होने के बाद ऊपर से आप इन टुकड़ों को डालें। ऐसा करने से सब्जी में कुरकुरापन और स्वादिष्ट मेवों वाला फ्लेवर आएगा। सूखी सब्जियों के लिए भी यह तरीका बेस्ट है।

- भुनी हुई मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी में डाल सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी का स्वाद और भी बढ़ जाएगा। इसके साथ ही ग्रेवी गाढ़ी हो जाएगी। आप तिल को पीसकर उसका पेस्ट भी ग्रेवी में मिला सकती हैं। इससे ग्रेवी का स्वाद बढ़ जाता है।

- बादामा या काजू को पीसकर पाउडर बना लीजिए। इस पाउडर को आप मसाले की तरह किसी भी सब्जी की ग्रेवी में डाल दीजिए। प्याज की जगह दही और मूंगफली का पेस्ट बनाकर ग्रेवी का इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी ग्रेवी गाढ़ी होने के साथ ही उसका स्वाद भी काफी कमाल लगेगा।

सर्दी-जुकाम से राहत के लिए अपनाएं दादी-नानी का नुस्खा, बेसन का शीरा देगा तुरंत आराम।

बदलते मौसम में बच्चों को सर्दी-जुकाम की शिकायत हो जाती है। बच्चों की इम्युनिटी कमजोर होने के कारण खांसी-जुकाम की समस्याएं बन जाती है। यदि आपके बच्चे को मौसम के बदलने से सर्दी-जुकाम से परेशान हो गए है, तो इसे दवाओं की जगह आप एक बार बेसन का शीरा बनाकर जरुर पिलएं। यह एक ट्रेडिशनल पंजाबी रेसिपी है, जो मौसम बदलने के बाद बच्चों की इम्यूनिटी को बूस्ट करती है। बीमारी से लड़ने में मदद करती है। बेसन शीरा स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए काफ बढ़िया है। इसके सेवन से सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या जल्द ठीक हो जाती है। आइए आपको बताते हैं कैसे बनाया जाता है टेस्टी और हेल्दी बेसन का शीरा।

बेसन का शीरा बनाने के लिए सामग्री

- 3 बड़े चम्मच बेसन
- 1 बड़ा चम्मच देसी घी
- 2 छोटी चम्मच चीनी/गुड़
- डेढ़ कप दूध
- कुटी हुई इलायची
- 1/4 छोटी चम्मच अजवाइन
- कटे हुए बादाम
- कुटी हुई काली मिर्च
- हरा धनिया
- 1 चुटकी हल्दी

बेसन का शीरा बनाने का तरीका

बेसन का शीरा बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कड़ाही लें और गैस पर चढ़ाकर गर्म करें। अब इसमें घी डाले और बेसन को लो फ्लेम पर भूने जब तक इसका रंग हल्का भूरा ना हो जाए। बेसन को अच्छे से भून जाने के बाद इसमें खुशबू आने लगेगी। अब इसमें बेसन इलायची, गुड़, कटे हुए बादाम, कुटी हुई काली मिर्च, अजवाइन और हल्दी डालकर अच्छी तरह सभी चीजों को मिला लीजिए। इसके बाद आप इसमें दूध डालते हुए सभी चीजों को करछी से लगातार चलाते हुए मिलाएं, वरना पेसन में गांठें पड़ जाएगी। बेसन में पड़ी गांठे शीरा का स्वाद बिगड़ सकती हैं। इसके बाद आप दूध को 5 मिनट तक अच्छे से उबालें। इसके बाद बेसन के शीरे में कटा हुआ ताजा हरा धनिया डाल दें। यह लीजिए टेस्टी गर्मागर्म बेसन का शीरा तैयार है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चों को खुली हवा में बाहर ना भेंजे। क्योंकि ऐसा करने से इसका असर कम हो जाता है। बेसन का शीरा पीने के बाद बच्चे सोने दें।

बासी पोहा हो गया सख्त तो अपनाइए ये आसान नुस्खा, मिलेगा वही पुराने जैसा स्वाद

नाश्ते में पोहा खाना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। सुबह अक्सर चाय के साथ पोहा खाने में एक अलग ही मजा आता है। लेकिन पोहा केवल तभी अच्छा लगता है, जब उसे बनाकर गरमा-गरम सर्व किया जाए। अगर उसे बाद में खाया जाता है तो वह थोड़ा सख्त और सूखा-सूखा महसूस होता है। इतना ही नहीं, उसका वो टेक्सचर भी गायब हो जाता है, जिसकी वजह से उसे खाने का मन ही नहीं करता है। हालांकि, अगर आप ऐसे में उसे फेंकने की सोच रहे हैं तो जरा ठहरिए। अगर आप चाहें तो थोड़ा सा जादू करने पर बासी पोहा को फिर से नरम, टेस्टी और फ्रेश बना सकते हैं।

वास्तव में, पोहा उन आसान डिशेज में से है, जिसे अगर सही ट्रिक से दोबारा गरम किया जाए तो उसका स्वाद और टेक्सचर दोनों ही पहले जैसा हो जाता है। तब आपको उसे खाते समय ऐसा महसूस होता है, जैसा कि इसे अभी-अभी गरमागरम बनाया गया हो। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके बासी पोहे को फिर से टेस्टी बनाने में मदद करेंगे-

थोड़ा पानी छिड़कें

यह एक आसान तरीका है बासी पोहा को फिर से फ्रेश करने का। इसके लिए सबसे पहले पोहे को एक कटोरे या कड़ाही में डालिए और उस पर 2-3 चम्मच पानी हल्के से छिड़किए। अब इसे ढककर 2-3 मिनट के लिए रख दीजिए। दरअसल, पोहा इसलिए सूख जाता है क्योंकि उसमें से नमी निकल जाती है। थोड़ा पानी और भाप उसे चिपचिपा किए बिना दोबारा नरम बना देते हैं।

थोड़ा तेल या घी डालकर दोबारा गरम करें

एक पैन में 1 चम्मच तेल या घी गरम करें। चाहें तो उसमें थोड़े राई के दाने, करी पत्ता या एक चुटकी हल्दी डालें। अब उसमें बासी पोहा डालकर 1-2 मिनट तक चलाइए। जब आप पोहे को हल्का सा भूनते हैं तो इससे पोहे की खुशबू और स्वाद दोनों ताज़ा हो जाते हैं। तेल हर दाने को कोट कर देता है जिससे पोहा दोबारा चिपकता नहीं है।

आजमाएं माइक्रोवेव ट्रिक

अगर आपके पास समय कम हो तो माइक्रोवेव की इस ट्रिक को भी आजमाया जा सकता है। इसके लिए सबसे पहले पोहे पर थोड़ा पानी छिड़कें, फिर उस पर गीला टिशू पेपर या माइक्रोवेव ढक्कन रखकर 30-40 सेकंड के लिए गरम करें। गीला टिशू भाप को अंदर रोकता है, जिससे पोहा बराबर गरम होता है और सूखता नहीं है।

किचन के इन 3 मसालों से पाएं मुंह की बदबू से छुटकारा, बनाएं नेचुरल माउथवॉश!

हर भारतीय के किचन में पाए जाने वाले ये मसाले केवल खाना का स्वाद ही नहीं, मुंह की दुर्गंध और बैक्टीरिया को दूर भागा देते हैं। आपकी रसोई में रखें इन 3 मसालों से तैयार करें नैचुरल माउथवॉश। मुंह की दुर्गंध, मसूड़ों की सूजन और बैक्टीरिया संक्रमण की समस्या से परेशान हो गए हैं, तो यह लेख आपके लिए है। वैसे तो बाजार में कई सारे माउथवॉश मिलते हैं लेकिन इनमें केमिकल और अल्कोहल की मात्रा होती है। यह अस्थायी ताजदी तो पहुंचता हैं लेकिन लंबे समय तक दातों और मसूड़ों को नुकसान भी पहुंचता है। इसी कारण आप अपने घर पर ही इन 3 मसालों से नैचुरल माउथवॉश बना सकते हैं। लौंग, चक्र फूल और दालचीनी से बना यह घरेलू माउथवॉश आपके लिए बेहद ही फायदेमंद होगा। यह माउथवॉश आपके मुंह के बैक्टीरिया को खत्म करता है। आइए आपको बताते है इसे कैसे बनाएं।

माउथवॉश बनाने की विधि

सामग्री

- 4-5 लौंग
- 2 चक्र फूल
- 1 दालचीनी का टुकड़ा
- 1 कप पानी

इसे बनाने का तरीका

- सबसे पहले आप एक पैन में पानी डालें। फिर इसमें लौंग, दालचीनी और चक्र फूल को डालें।
- फिर आप इसे 7-8 मिनट तक उबालें। इसे तब तक उबालें जब तक इसका रंग हल्का भूरा न लग जाएं।
- जब यह पानी ठंडा हो जाए, तो इसे कांच की बोतल में भरकर रख दें।
- इसे घरेलू माउथवॉश से आप दिन में 1 या 2 बार कुल्ला जरुर करें।

घरेलू माउथवॉश इस्तेमाल करने के फायदे

- मुंह की दुर्गंध दूर करता है और सांसों को लंबे समय तक तरोताजा रखता है।
- इसमें एंटीबैक्टीरियल के गुण होते हैं, जो कि मुंह में बैक्टीरिया को खत्म करते हैं।
- मसूड़ों की सूजन को कम करता है और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाता है।
- यह एक प्रकार से 100% प्राकृतिक और केमिकल-फ्री जो दांतों के एनामेल को नुकसान नहीं पहुंचाता है।

अपराधियों पर सीएम मोहन यादव का बड़ा बयान

प्रदेश में होते रहेंगे एनकाउंटर !

भोपाल । एमपी के रायसेन जिले में गौहरगंज रेप कांड के आरोपी सलमान को पुलिस ने अंततः राजधानी भोपाल से पकड़ लिया है। गौहरगंज पुलिस ने उसे देर रात गिरफ़्तार किया। दुष्कर्मी सलमान ने रास्ते में पुलिस को चकमा देने की कोशिश भी लेकिन उसके पैर पर गोली चलाकर फिर पकड़ लिया। वह अभी घायलावस्था में अस्पताल में भर्ती है। मासूम से दुष्कर्म के कारण लोग इतने गुस्साए हुए हैं कि आरोपी सलमान के शॉर्ट एनकाउंटर पर भी सवाल उठ रहे हैं। हिंदूवादी संगठनों का कहना है कि वह जेहादी मानसिकता है, उसके सिर पर गोली क्यों नहीं मारी गई ! इधर सीएम मोहन यादव ने भी मामले पर बड़ा बयान देते हुए साफ कर दिया है कि अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा है कि कानून हाथ में लेने वालों को हम छोड़ेंगे नहीं। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी दरिंदे सलमान को फांसी देने की बात कही। गौहरगंज में 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म के आरोपी सलमान का पुलिस ने शुक्रवार तड़के शॉर्ट एनकाउंटर किया। बताया जा रहा है कि उसने भागने की कोशिश की। आरोपी सलमान ने बंदूक का लॉक खोलकर फायर किया लेकिन उसके पैर में गोली मारकर पुलिस ने उसे पकड़ लिया। दुष्कर्मी सलमान की गिरफ़्तार पर लोगों ने संतोष जताया लेकिन उसके शॉर्ट एनकाउंटर पर सवाल उठ रहे हैं। गौहरगंज के लोगों ने पुलिस पर उसे बचाने का आरोप लगाया। लोगों का कहना है कि पहले तो पुलिस 6 दिनों तक हाथ पर हाथ धरे बैठी रही। जब उसने पुलिस पर फायर किया तो सिर पर गोली क्यों नहीं मारी ! हिंदू संगठनों का कहना है कि यह जिहाद से जुड़ा केस है। आरोपी जिहादी मानसिकता का है और उसने इसी वजह से हिंदू बच्ची को अपनी हवस का शिकार बनाया। सलमान के शॉर्ट एनकाउंटर पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों को सार्वजनिक रूप से कुचलने की जरूरत है जिससे ऐसा अपराध करने से पहले कोई भी सौ बार सोचे। उसे फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

शॉर्ट एनकाउंटर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का भी सख्त बयान आया है। उन्होंने कहा कि जो कानून को हाथ में लेगा, सरकार उससे निपटना जानती है। हमारी पकड़ से कोई भाग नहीं सकता। कानून को हाथ में लेनेवालों को हम छोड़ने वाले नहीं हैं। अपराधियों के खिलाफ हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रही है।

सांसद सुधीर गुप्ता ने एसआईआर को लेकर घर-घर जाकर चर्चा की

मंदसौर (निप्र)। सांसद सुधीर गुप्ता ने मंदसौर विधानसभा के ग्रामों का दौरा कर एस आई आर को लेकर रहवासियों से चर्चा की और और जानकारी दी। मंदसौर विधानसभा के ग्राम दलौदा, दलौदा रेल, बेहपुर, आक्या चौपाटी, कचनारा फ्लैग में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण S.I.R .के लिए घर घर जाकर रहवासियों से संपर्क कर चर्चा की । उन्होंने नागरिकों को इसमें आ रही समस्याओं को भी लेकर चर्चा की सांसद गुप्ता ने कहा कि 2003 का मतदाता इस सूची में यथावत रहेगा, लेकिन उसके बाद चुनाव आयोग ने जो प्रमाण मांगे हैं उसके बाद बाकी मतदाता भी इसमें शामिल हो जाएगा। एक तरह का पुनरीक्षण है। हर मतदाता जिसको चुनाव देने का अधिकार है, उसका नाम आना चाहिए. घुसपैठिया कई और जगह हैं और उसका वोटर लिस्ट में नाम नहीं होना चाहिए। एसआईआर में सभी को सहयोग करना चाहिए। साथ में पिछड़ा मोर्चा प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार, मंडल अध्यक्ष सुमित सेन, सहित वरिष्ठ जन, स्थानीय जनप्रतिनिधि, पार्टी पदाधिकारी एवं देवतुल्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिता बेटियों संग सड़क पर उतरे, बोले- रेप के आरोपी को एनकाउंटर नहीं, फांसी दो, हाथ में तख्ती लिए चौराहे पर किया प्रदर्शन

नीमच (निप्र)। रायसेन जिले के गौहरगंज में छह वर्षीय मासूम से रेप के आरोपी सलमान के पुलिस एनकाउंटर के बाद भी जनता में त्वरित न्याय की मांग जारी है। आरोपी ने हिरासत में ले जाते समय भागने की कोशिश की थी और पुलिस पर गोली चलाई थी, जिसके जवाब में पुलिस ने उसके पैर में गोली मारकर उसे पकड़ा था। इसी कड़ी में, नीमच जिले के मनासा नगर के कारगिल चौराहा पर गोगलिया खेड़ी निवासी किसान पवन शर्मा ने अपनी दो नाबालिग बेटियों के साथ रविवार को विरोध प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन दोपहर से शाम तक चला। प्रदर्शनकारी हाथों में तख्तियां लिए हुए थे, जिन पर 'बेटियां मांगे इंसाफ, शॉर्ट एनकाउंटर नहीं... फांसी चाहिए' जैसे नारे लिखे थे। वे तेज धूप में चौराहे पर खड़े होकर अपनी मांग उठा रहे थे।

रेप के आरोपी को पुलिस एनकाउंटर की बजाय फांसी दो – किसान ने स्पष्ट रूप से कहा कि रेप के आरोपी को पुलिस एनकाउंटर की बजाय कानूनी प्रक्रिया के तहत जल्द से जल्द फांसी दी जानी चाहिए। उनका मानना था कि इससे पीड़ित परिवार को पूर्ण न्याय मिल सकेगा। उन्होंने अपनी मांगों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी से भी अपील की। किसान ने ऐसे जघन्य अपराधों के लिए फांसी की सख्त सजा का कानून लागू करने की मांग की, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति ऐसा कृत्य करने की हिम्मत न जुटा सके। किसान सुबह से शाम तक चौराहे पर डटे रहे। उन्होंने कहा था कि जब तक कोई भी प्रशासनिक अधिकारी उनकी बात सुनने नहीं आता, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

उन्होंने प्रशासन की ओर से ध्यान न दिए जाने पर अन्न त्याग करने का संकल्प लेने की बात भी कही। रविवार शाम को मनासा पुलिस प्रदर्शन स्थल पर पहुंची और उन्हें थाने ले जाकर समझाइश दी, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ।

ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मरीज की मौत

परिजनों ने किया हंगामा, शव को रोका, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

जीरन (निप्र)। नीमच जिले के जीरन थाना क्षेत्र के अरनिया बोराना निवासी मनोहर लाल (40 वर्ष) को बुधवार शाम हृदय रोग के चलते जिला चिकित्सालय के ट्रॉमा सेंटर स्थित आईसीयू में भर्ती कराया गया था।

उपचार के दौरान देर शाम उनकी मौत हो गई। मरीज की मौत के बाद परिजन आक्रोशित हो उठे और उन्होंने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए दोषी डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

परिजनों ने शव को आगे नहीं बढ़ने दिया – हंगामे के बीच परिजनों ने शव को एंबुलेंस में रखने के बाद भी उसे आगे नहीं बढ़ने दिया। घटना की सूचना मिलते ही केंट पुलिस और सिटी पुलिस सहित शहर के तीनों थानों का पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा। पुलिस अधिकारियों ने आक्रोशित परिजनों से बातचीत की। काफी देर तक चली समझाइश के बाद बुधवार रात को हंगामा शांत हुआ, जिसके उपरांत परिजन शव लेकर रवाना हुए। सुरक्षा के मद्देनजर बुधवार देर रात तक जिला चिकित्सालय परिसर में पुलिस बल तैनात रहा।

12th के बाद सफर जोश का मंजिल कामयाबी की
MPPSC, SSC, BANK
रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए
और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इन्कम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये
सोनी कोचिंग क्लासेस™
ISO 9001 : 2008 Certified
22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास, भागेश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

पीड़ित पक्ष को न्याय प्रदान करने में विधिक सेवा प्राधिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका - प्रवीण पुनिया

ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस मनाया गया

नीमच (निप्र)। संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व के अनुच्छेद -39(A) में पीड़ित व कमजोर वर्ग के लोगों के लिए निःशुल्क विधिक सहायता के प्रावधान किए गए है । जिनका निष्पादन विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 के रूप में भारत की संसद ने किया, ताकि समाज के कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधिक सेवाएं प्रदान की जा सकें। इस अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना की गई है। निःशुल्क विधिक सहायता के माध्यम से भारत में विधि का शासन और अधिक सशक्तता के साथ स्थापित हुआ। विधि के विद्यार्थियों को विधियों का गहन अध्ययन करना चाहिए ताकि वे भविष्य में अच्छे अधिवक्ता या न्यायाधीश बनकर समाज को न्याय प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर सकें। उक्त विचार ज्ञानमंदिर विधि महाविद्यालय में संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित परिचर्चा में मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा अधिकारी प्रवीण पुनिया ने व्यक्त किए । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती एवं बाबा साहब अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्वलन कर किया। स्वागत भाषण एवं विषय प्रवर्तन करते हुए प्राचार्य डॉ.विवेक नागर ने कहा कि प्रो.डायसी के विधि के शासन के सिद्धांत को हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान के अनुच्छेद -14 में समाहित किया है,जो विधि के शासन में संविधान की सर्वोच्चता को स्थापित करता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंध समिति के सचिव राजेश मानव ने उपस्थितजन को संविधान दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि नीमच नगर के लिए यह गौरव का विषय है कि श्री सीताराम जाजू संविधान सभा के सदस्य रहे।अधिवक्ताओं के साथ साथ विधि के विद्यार्थियों का भी कर्तव्य है कि वे विधिक सहायता करने के लिए सदैव तत्पर रहें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे, प्रबंध समिति के सदस्य व वरिष्ठ अधिवक्ता अख्तर अली शाह ने संविधान को लोकतंत्र का आईना बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में संविधान के माध्यम से स्वयं की त्रुटियों को सुधार कर लोकतंत्र को सशक्त और लोक कल्याणकारी बनाया जा सकता है, संविधान के माध्यम से ही शासन के तीनों अंग बंधे हुए है ताकि संपूर्ण देश सर्वांगीण विकास हो सके। इस अवसर पर आयोजित "विधि के शासन में संविधान की सर्वोच्चता का महत्व" विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थीयो ने बड़ी संख्या में भाग लिया । प्रमुख रूप से हिमांशी बंसल, संजना नागदा, रणधीर सिंह गहलोत , सानू, काजल बैरागी, भावना शर्मा, मोहम्मद साबिर, तनीषा मंसूरी आदि ने प्रभावी उद्बोधन प्रस्तुत किया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. वर्षा काछवाल ने किया ।

इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक सुश्री कृतिका द्विवेदी, श्रीमती कीर्ति कौशिक, घनश्याम भटनागर, प्रवीण पाटीदार समस्त स्टाफ सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहें।

बाल विवाह रोकथाम जागरूकता के 100 दिवसीय अभियान का शुभारम्भ

नीमच (निप्र)। जिले में बाल विवाह के विरुद्ध जन जागरूकता के लिए 100 दिवसीय अभियान का शुभारम्भ नीमच में कलेक्टर हिमांशु चंद्रा एवं जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव द्वारा कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में किया गया ।

कार्यकम में सर्वप्रथम जिला कार्यक्रम अधिकारी म.बा.वि. सुश्री अंकिता पंड्या ने पीपीटी के माध्यम से NFHS अनुसार जिले में बाल विवाह की स्थित्ति, रिपोर्ट, विभागीय रणनीति व 03 चरणों में अभियान 08 मार्च तक आयोजित करने संबंधी जानकारी दी। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने 100 दिवसीय अभियान के दौरान वॉलेंटियर का चयन समस्त ग्रामों में करने, शोर्यादल की सक्रियता बढ़ाने, समस्त विद्यालयों व महाविद्यालयों में जागरूकता गतिविधि करने, शिक्षकों का उन्मुखीकरण करने, बाल विवाह रोकथाम हेतु बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले सरपंच, सचिव व अन्य ग्राम स्तरीय अमले को को सम्मानित करने, चाईल्ड हेल्पलाइन के अलावा बाल विवाह की सूचना के लिए जिला स्तर पर पृथक से हेल्पलाइन नंबर जारी करने, वास्तविक स्थिति आकलन हेतु सर्वे करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ वैष्णव ने सभी पंचायतों में जागरूकता संबंधित पोस्टर, बैनर व वॉल पेंटिंग करवाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में कलेक्टर ने बाल विवाह मुक्त भारत की शपथ भी दिलवाई गई।

कार्यक्रम में जिले में गत दिनों 2 बाल विवाह रोकने में सक्रिय रूप से कार्य करने पर नीमच शहर से परियोजना अधिकारी श्रीमती दीपिका नामदेव, पर्यवेक्षक सुश्री एकता प्रेमी, श्रीमती रश्मि बामनिया, वन स्टॉप सेंटर से सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती चंदा सालवी, काउंसलर सुश्री नुसरत खान, केस वर्कर सुश्री पूजा मिश्रा, बहुद्देशीय कार्यकर्ता श्रीमती चंदा नागर, नीमच ग्रामीण से परियोजना अधिकारी इरफान अंसारी, सीएमओ जीरन विकास डावर, पर्यवेक्षक श्रीमती सारिका केदार, श्रीमती सपना बैरागी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कलेक्टर एवं सीईओ ने बाल विवाह रोकथाम जागरूकता संबंधी पैंपलेट का विमोचन भी किया । कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी एस.एम.मांगरिया, लीड कॉलेज प्राचार्य प्रशांत मिश्रा, सहायक संचालक वैभव बैरागी सहित सभी परियोजना अधिकारी एवं विभागीय अमला उपस्थित था ।

न्याय बेसुरी आवाज जैसा नहीं चाहिए इसमें एक रिदम हो - सीजेआई सूर्यकांत

नई दिल्ली । भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने बुधवार को देश में नेशनल ज्यूडिशियल पॉलिसी की वकालत की। ताकि देशभर की हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में दिए जाने वाले फैसलों में समानता दिखे। CJI ने इसे एक उदाहरण देकर समझाया। उन्होंने कहा कि न्याय ऐसे इंस्ट्रूमेंट्स के सेट जैसा नहीं हो सकता जिसे अन्य इंस्ट्रूमेंट्स के बिना बजाने से सुरीली आवाज निकले। लेकिन जब साथ में बजाया जाए तो उसमें बेसुरी आवाज निकल आए। हमें एक ऐसे रिदम की जरूरत है जिसमें आवाज और भाषा भले अलग हो जाए लेकिन संवैधानिक सुर एक जैसा निकलना चाहिए। सूर्यकांत ने ये बातें सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) की तरफ से आयोजित संविधान दिवस समारोह में कहीं। जिसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, सुप्रीम कोर्ट के सबसे सीनियर जज जस्टिस विक्रम नाथ, लॉ मिनिस्टर अर्जुन राम मेघवाल और अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी मौजूद थे। संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है।

हृदय रोगों के लिए अंचल का एकमात्र स्थान
आपका दिल अनुभवी हाथों में है।
नीमच के एकमात्र अनुभवी एंव वरिष्ठ
हृदय रोग विशेषज्ञ
डॉ. (मेजर)अजीत प्रताप सिंह
MBBS, MD Medicine DM Cardiologist (Gold Medalist)
EX-Indian Army Officer (Dr.)
की नियमित की सेवाएं
संबंधित बीमारी हेतु मिलें
- हार्ट अटैक, सीने में तेज दर्द होना
- छाती में भारीपन महसूस होना
- हाई ब्लड प्रेशर
- जन्मजात हृदय रोग
- बच्चों में हृदय संबंधी समस्याएं
- ज्यादा पसीना आना
- चलने / लेटने पर सांस का भरना
- नाड़ी का तेज या धीमा चलना
- सीने के बीच या साइड मे जलन होना
- शुगर व गुर्दा रोग के कारण हार्ट पर दुष्प्रभाव होना
- हृदय या शरीर की किसी भी नली में रुकावट
हृदय रोग
संबंधित सम्पूर्ण जाँचें कैथ लैब द्वारा
- एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी
- इकोकार्डियोग्राफी एवं TMT/Holter ABPM
- CRT/ ICD/ पेसमेकर की सुविधा उपलब्ध
- कार्डियक एवं वेस्कुलर संबधी जाँच
- बच्चों में हृदय संबंधित समस्याएँ
- हृदय रोग का अत्याधुनिक इलाज
प्रतिदिन परामर्श : समय - प्रातः 10 बजे से सायं 06 बजे तक
किसी भी हृदय रोग सम्बंधित इमरजेंसी में सम्पर्क करे
ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल
ग्राम: कनावटी, ज्ञानोदय महाविद्यालय के पीछे, नीमच (म.प्र.)
सम्पर्क : 07423-354354, 6262778282

आज ही बुक करें अपना Zelo इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए
मात्र रु ~~45990/-~~ रु 41,990/-
में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ
मात्र रू.41,990/-
से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र
रु ~~81000/-~~ रु 76000/-*
(माइलेज 80-100 कि.मी.)
3 साल बैटरी की वारंटी के साथ
Zelo Electric Scooter
बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने, Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुदित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।